29.1.1983, because the lock-gatein the dock became incoperative owning to heavy siltation of about six feet.

It is learnt that a French container ship, MONET which was scheduled to sail out on January 23 was detained and so two also other vessels inside the dock, which were ready to sail out at that time. Three other collier vessels were waiting at Haldia anchorage for five days forced signal to enter the dock. Three other colliers and two general cargo ships. booked for Haldia, were waiting at the Sandheads. All these happened due to the heavy siltation at the lock-gate of the Haldia dock, which caused a huge loss for the port as well as for the country. A loss of twenty-five ship days and twelve berth days resulted because of the inoperation of the lock-gate during the said period.

Moreover, it is learnt that there are no impounding pumps in Haldia dock, which keep the dock free of silt. The week-long activities for the repairs of the lock-gates at Haldia, received a set back when three workers were injured one of them seriously, during the repair work.

In this context, I urge upon the Government to conduct a high power enquiry into the metter and punish the persons, whose negligence is responsible for such a deadlock in the port.

I also request the Government to take all possible measures so that such indident does not take place again.

(viii) NEED TO HALT SUPERFAST TRAIN RUNNING BETWEEN DELHI AND AHMEDABAD AT MEHSANA, GUJARAT

श्री मोती भाई आर० चौधरी (मेहसाना) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं निम्नलिखित विषय की ओर मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं :

कई सालों के बाद बार-बार मांग होती रहने पर अभी अभी एक सुपर फास्ट गाड़ी देहली और अहमदाबाद के बीच मीटर गेज लाइन पर शुरू कर दी गई है। जरूरी तो यह था कि इस बहुत महत्वपूर्ण लाइन को मीटर गेज से ब्राड ग्रेज में परिवर्तित किया जाए और उस पर सुपर फास्ट ट्रेन चलाई जाए। जो कि सबसे ज्यादा भीड़-भाड़ वाली यह लाइन रही है, लेकिन खेद है कि सालों से चल रही इस मांग को स्वीकार अभी तक नहीं किया जा रहा है। फिर भी इस मीटर गेज लाइन पर एक सुपर फास्ट ट्रेन चालू कर दी है, इसलिए रेल मंत्री को बधाई है और साथ साथ यह ट्रेन जो चलाई जा रही है इनको इस लाइन पर का सबसे बड़ा जंकशन रेलवे स्टेशन महसाना को स्टापेज नहीं दिया है। उसे जल्दी से जल्दी दिया जाए ऐसी मांग करता हूं। महसाना इस लाइन का एक बड़ा जंक्शन स्टेशन है जो पूरा स्वराष्ट्र क्षेत्र को रेल से जोड़ता है जो गुजरात का एक बड़ा हिस्सा है, 25 लाख से ज्यादा आबादी वाले जिले का मुख्य कार्यालय है, जहां पर आयल और नैचुरल गैस कमीशन का बड़ा कार्यालय होने के नाते इस स्टेशन से पूरे उत्तर और पूर्व भारत में आने जाने वाले यात्रियों को इस स्टेशन से सुविधा मिल सकती है और इस ट्रेन को सारे गुजरात राज्य को एक भी स्टापेज नहीं मिला है। यह क्षति पूर्ति भी इस स्टेशन पर स्टापेज देने से हो सकती है। तो मैं आशा करता हूं कि इस लाइन पर का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन जो लाखों की आबादी को यातायात की सुविधा देता है इस पर स्टापेज देकर एक रह गई क्षति को सुधारा जाएगा जिसके पहले कि इस मांग को लेकर जन आंदोलन चल पड़े। माननीय रेल मंत्री जी ने यह नई ट्रेन चालू करके अच्छी सुविधा दी है। लेकिन इससे जो वंचित रहे हैं उनको भी महसाना रेलवे स्टेशन को स्टोपेज देकर शीघ्र ही सुविधा प्रदान करेंगे।

(ix) DEMAND FOR DECLARING BIRTH ANNIVERSARY OF DR. AMBEDKAR AS PUBLIC HOLIDAY